PC-8434/NH

A/2110

HINDI SAHITYA

Semester-I

Time : 3 Hours] [Max. Marks : 75

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड-क

I. आदिकाल की परिस्थितियों पर प्रकाश डालें।

अथवा

आदिकाल की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालें। (9)

II. संज्ञा की परिभाषा लिखे एवं भेदों को उदाहरण देकर स्पष्ट करें।

अथवा

सर्वनाम को परिभाषित करते हुए इसके भेदों को उदाहरण देकर स्पष्ट करें। (8)

खण्ड-ख

III. प्रसाद की काव्यगत विशेषताओं को लिखें ।

अथवा

निराला के व्यक्तिगत एवं कृतित्व का परिचय दें। (9)

IV. किसी **एक** पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या करें :

"वह इष्टदेव के मन्दिर की पूजा सी
वह दीपशिखा सी शान्त भाव में लीन
वह क्रूर काल ताण्डव की स्मृति रेखा सी
वह टूटे तरु की छूटी लता सी दीन
दलित भारत की विधवा है।"

अथवा

"जो घनीभूत पीड़ा थी, मस्तक में स्मृति सी छाई
दुर्दिन में आंसू बनकर, वह आज बरसने आई।" (5)

V. थके पांव उपन्यास के उद्देश्य को वर्णित करें।

अथवा

केशवचन्द्र का चरित्र-चित्रण करें। (9)

VI. किसी **एक** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या करें :

"यह रुपया, यह आर्थिक कष्ट ..... मिजाज के चिड़चिड़ेपन की तह में यही है इसके सिवा कुछ भी नहीं है। जब तक ये कमाते-धमाते थे तब तक इस घर में कितना आदर मान था।"

अथवा

"जीवित रहने का संघर्ष ..... मानव का सबसे बड़ा संघर्ष है। जिसे लोग मध्यवर्ग कहते हैं, उसमें यह जीवित रहने का संघर्ष भयानक है। इस मध्यम वर्ग के पास विशिष्टता का ढोंग है, सम्पन्नता का दिखावा है।" (5)

खण्ड-ग

VII. सभी लघु प्रश्नों के उत्तर दें :

(क) आदिकाल को वीरगाथा काल क्यों कहा जाता है और किसने कहा?

(ख) फागुन के गीत का सार लिखें।

(ग) खुसरों की पहेलियों की भाषा बताएं।

(घ) रानी के चरित्र पर प्रकाश डालें।

(ङ) आदिकाल की सामाजिक परिस्थिति का वर्णन करें।

(च) विगत प्यार कविता का मूल भाव लिखें।

(छ) **चार** प्रमुख रूसो ग्रन्थों के नाम लिखें।

(ज) ताज कविता का उद्देश्य लिखें।

(झ) प्रेम पथिक कविता का उद्देश्य लिखें।

(ञ) प्रसाद की **दो** काव्य रचनाओं के नाम बताएं।

(ट) मोहन किस बीमारी से ग्रसित था और उपचार कैसे हुआ?

(ठ) आदिकाल के नामकरण के सम्बन्ध में शुक्ल का अभिमत लिखें।

(ण) सुशीला नौकरी क्यों करना चाहती है? लिखें।

(त) थके पांव की **दो** प्रमुख समस्याओं का वर्णन करें।

(थ) माधुरी के चरित्र की **दो** विशेषताएं लिखें। (15×2=30)